वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 290 | शनिवार 17 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

‘विकसित भारत-विकसित राजस्थान’ के संकल्प पर तेजी से काम कर रही है डबल इंजन की सरकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अंत्योदय के सपने को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राजस्थान में 17 हजार करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास। राज्य को सड़क, रेलवे, सौर ऊर्जा, विद्युत ट्रांसमिशन, पेयजल तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़ी विकास परियोजनाओं की मिली सौगातें

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ‘‘**विकसित भारत-विकसित राजस्थान**’’ के संकल्प को साकार करने के लिए बहुत तेजी से काम कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार को बधाई देते हुए कहा कि राज्य में 17 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण से प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ आर्थिक उन्नति भी बढ़ेगी। साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अपार अवसरों का सृजन भी होगा। प्रधानमंत्री शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ‘‘विकसित भारत-विकसित राजस्थान’’ कार्यक्रम में राजस्थान के सभी विधानसभा क्षेत्रों के लाभार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विकास के लिए आधारभूत अवसंरचना का विकसित होना जरूरी है इसीलिए केन्द्र सरकार द्वारा इस बार के बजट में आधारभूत अवसंरचना पर 11 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इससे राजस्थान में भी सीमेंट, पत्थर और सिरेमिक जैसे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। मोदी ने कहा कि देश में बिजली के संकट से निजात पाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा नीतियां बदली गईं तथा सौर ऊर्जा जैसे नव्यकरणीय ऊर्जा संसाधनों के विकास पर जोर दिया गया, जिसका परिणाम है कि आज सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत अग्रणी देशों में शामिल है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा ह्यपीएम सूर्य घर योजनाह्न की शुरूआत की गई जिसके तहत प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी। केन्द्र सरकार घरों में सोलर पैनल लगाने के लिए बैंको से कम ब्याज दरों पर आवेदक को ऋण उपलब्ध करवाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा भी 5 लाख घरों में सोलर पैनल लगाने की योजना बनाई गई है, जिससे राज्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का मानना है कि देश में केवल चार वर्ग हैं- युवा, किसान, महिला तथा गरीब। इन वर्गो के सशक्तीकरण के लिए डबल इंजन सरकार मिशन मोड पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के रोजगार सृजन के लिए 70 हजार भर्तियां, पेपरलीक की जांच के लिए एसआईटी का गठन, महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेण्डर, किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि 6 हजार रुपए से बढ़ाकर 8 हजार रुपए करने जैसे निर्णय किए गए हैं, जो यह दिखाता है कि प्रदेश सरकार आमजन के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का पूरा प्रयास है कि हर लाभार्थी तक तेजी से उसका हक पहुंचे तथा कोई भी वंचित ना रहे।

प्रधानमंत्री का अमृतकाल में नए भारत का विजन देश के लिए एक नया सवेरा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के प्रण तथा स्वामी विवेकानंद के ध्येय पर चलते हुए गरीब कल्याण के लिए अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का अमृतकाल में नए भारत का विजन देश के लिए एक नया सवेरा है तथा यह विचार अब देशभर में गवर्नेंस का मॉडल बन गया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा से करोड़ों लोगों को सम्बल मिला है। शर्मा शुक्रवार को सीतापुरा के जेईसीसी में ‘विकसित भारत-विकसित राजस्थान’ कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

SHRI MAHAVEER COLLEGE

Corporate Resource Cell (CRC)

Is organizing

MAHAVEER PLACEMENT DRIVE 2024

POSITIONS OPEN FOR SECTORS:

- Banking
- Insurance
- FMCG
- NBFC
- BPO
- KPO
- Stock Market
- IT

FREE REGISTRATION

Date - 17 February, 2024

Reporting time - 8:00 am. (Bring copies of your resume)

Send your resume to e-mail: placementsmcc@gmail.com latest by 15/02/2024. Opportunities for Post-Graduates, Graduates and pursuing final year.

Venue - Shri Mahaveer College, Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur

Contact - +91 89558 40261

E-mail - placementsmcc@gmail.com

FOR MORE INFORMATION

Dr. Simmi Choyal
8426900009
Dr. D. N. Sharma
9929604983
(Coordinators, CRC)

डडूका के प्रथम हर्बल चर्म रोग निदान शिविर का प्रचार प्रसार जोरो पर

डडूका. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा 25 फरवरी 2024 रविवार को डडूका मे आयोज्य प्रथम हर्बल चर्म रोग निदान शिविर का प्रचार प्रसार ग्रामीण क्षेत्रों में जोर शोर से जारी है। शिविर प्रभारी एवं महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की चेयरमैन सुंदरलाल पटेल, कोषाध्यक्ष योगेश सोनी, सचिव सूरजमल अहारी,संरक्षक रणजीत सिंह सोलंकी के नेतृत्व में प्रचार प्रसार जोरो से करके रोगियों का ऑनलाइन पंजीयन किया जा रहा है। शिविर प्रभारी अजीत कोठिया ने दूरस्थ इलाकों टीमुरवा, मलाना, नौगामा, छाजा, जोलाना, पाराहेड़ा, डोबापाडा, सांगेला मे पैंपलेट वितरित कर प्रचार अभियान को गति दी। विवाह समारोहों में भी टीम एम आई डडूका द्वारा पैंपलेट वितरित करके चर्म रोग शिविर का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। शिविर में 25 फरवरी को डा., गौरांग शाह सुबह 9 से सांय 5बजे तक चर्म रोगियों की जांच कर निदान के हर्बल उपाय बताएंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रावतसर में सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया गया सबसे पहले सरस्वती पूजन कर दीप प्रज्वलित प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़ और श्री पूर्ण राम द्वारा किया गया तथा इसके पश्चात प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया इस के बाद स्वयंसेवकों को राजीव कुमार गोदारा व.शा.शि.द्वारा सूर्य नमस्कार व योग भी कराया गया तथा प्रथम दिवस की कार्ययोजना अनुसार नशे पर जागरूकता पर मेडिकल काउंसलर वातार्कार के रूप में कमल कुमार किरोडीवाल ने स्वयंसेवकों को को नशे से दूर रहने तथा नशे से होने वाले दुष्परिणाम के के बारे में में बताया गया ,तंबाकू हमारे शरीर को किस प्रकार नुकसान कर सकती है इस बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। इसके बाद प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़ ने एन एस एस की गतिविधियों तथा विशेष शिविर में होने वाली गतिविधियों तथा सेवा की भावना को प्राथमिकता देते हुए हमें समाज की सेवा के मूल उद्देश्य **Not me but you** पर विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद कृष्ण टाक स्वास्थ्य अधिकारी ने अपने एन.एस.एस स्वयंसेवक के रुप कार्य करने की जानकारी प्रदान करते हुए अनुभव शेयर कर निस्वार्थ भाव से समाज सेवा करने और उस आचरण को जीवन में ढालने की प्रेरणा प्रदान की। पूर्ण राम पार्षद ने जो विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी उन्होंने आयुष्मान भारत योजना की जानकारी प्रदान कर सभी स्वयंसेवक को स्वच्छता का संदेश दिया। इसके पश्चात गोद लिए गए वार्ड नं 34 मे स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। एनएसएस प्रभारी सुरेश कुमार विशेष शिविर की दिनचर्या के बारे बताया गया तथा इसके पश्चात प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़ और विद्यालय स्टाफ ने सभी वातार्कार को समान प्रतीक देकर अभिनंदन किया गया इस मौके पर श्री दीपक शर्मा , रायसिंह ,राजीव गोदारा, वेद प्रकाश तथा समस्त स्टाफ उपस्थित था ।

लविषा जैन की पुस्तक ''द ओसियन गर्ल'' का लॉन्च

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर निवासी रविंद्र विनोद बाला सोगानी की होनहार 11 वर्षीय सुपौत्री लविशा जैन की पहली पुस्तक ''द ओसियन गर्ल'' का धूमधाम से विमोचन दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित प्रतिष्ठित वर्ल्ड बुक फेयर में हुआ। पुस्तकों के इस उत्सव में वे सबसे कम उम्र की लेखिका हैं और इस अवसर पर पुस्तक प्रेमियों तथा मीडिया ने उन्हें भरपूर प्यार एवम सराहना दी। लविषा जैन को लिखने की प्रेरणा उनके दुबई में कार्यरत माता-पिता प्रसिद्ध चित्रकार मेनका एवम विशाल जैन से मिलती रही है। पत्रकारों से वार्ता में लविषा ने बताया कि यह फिक्शन रद ओशन गर्लर असाधारण भाई-बहन के बंधन की कहानी कैलिफोर्निया में रहस्यों के साथ मुख्य चरित्र और उसकी बहन को एक आकर्षक पानी के नीचे के क्षेत्र में ले जाती है। दो परियों द्वारा निर्देशित जादू के स्पर्श के साथ, ''द ओशन गर्ल'' कल्पना और भावना का एक मनोरम मिश्रण है जो पाठकों को एक असाधारण दुनिया में डुबो देता है।

कमला नगर डी ब्लॉक जैन मंदिर से वैज्ञानिक संत आचार्यसंघ पहुंचे कर्मयोगी एनक्लेव जैन मंदिर

आगरा. शाबाश इंडिया

वैज्ञानिक संत आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज ससंघ का 16 फरवरी को आगरा के कमलानगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर से प्रातः 7:00 बजे मंगल विहार कर श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर कर्मयोगी एन्क्लेव कमला नगर पहुंचे। जहां कर्मयोगी एनक्लेव सकल जैन समाज ने आचार्यसंघ का पाद प्रक्षालन कर भव्य अगवानी की। मंदिर में हुए मंगल प्रवेश के बाद आचार्यश्री ससंघ ने मूलनायक भगवान नेमिनाथ की प्रतिमा एवं सभी प्रतिमाओं के दर्शन किए और फिर मंदिर प्रांगण में धर्मसभा का आयोजन हुओ जिसमें आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज ने भक्तों को धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कर्मयोगी में आज एक योगी का आगमन हुआ है। एक श्रावक पाप रूपी कर्म करता है और साधक पुण्य रूपी धर्म करता है। इसलिए कर्मयोगी नहीं धर्मयोगी बनो। संसार के सभी प्राणी कर्म कर रहे हैं और यह जीव भी अनादिकाल से कर्म की खेती कर रहा है।

वेद ज्ञान

शिक्षा सोने भरी एक तिजोरी से अधिक मूल्यवान

परमात्मा निर्बलों को प्राप्त नहीं होता। यह सुनिश्चित तथ्य है कि शक्ति के बदले ही सुख मिलता है। जिस प्रकार पैसे से खरीदे जाने वाले सभी पदार्थ प्राप्त हो जाते हैं, उसी प्रकार शक्ति के बदले में विविध प्रकार के आनंद प्राप्त किए जाते हैं, जिसका शरीर शक्तिशाली है, इंद्रियां सक्षम हैं, वह ही विविध प्रकार के इंद्रिय भोगों को भोग सकता है। जिसका शरीर रोगी निर्बल और अशक्त है, उसको उत्तम से उत्तम इंद्रिय भोग भी खराब लगते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, धन, संगठन की क्षमता, अनुभव और पुरुषार्थ शक्तियों के भंडार हैं। जिसके पास ये भंडार जितनी अधिक मात्रा में हैं, वह उतनी ही अधिक संपत्ति, वैभव, समृद्धि और ऐश्वर्य सुख सामग्री प्राप्त कर सकता है। जिसके पास इन शक्तियों की जितनी कमी है, वह उतनी ही मात्रा में अभावग्रस्त और कठिनाइयों का जीवन व्यतीत करेगा। शरीर को सुख देने वाले ऐश्वर्य शरीर से संबंध रखते हैं। जिसने जितनी अधिक भौतिक योग्यताएं एकत्र कर ली हैं, वह उतना ही अधिक सांसारिक सुख भोग सकता है, पर ध्यान रहे कि वह आत्मिक सुख को उपलब्ध नहीं हो सकता। आत्मिक सुख के लिए आत्मिक शक्तियों की आवश्यकता है। सद्गुण, सात्विक दृष्टिकोण, सत्यनिष्ठ होना, संयम, उदार और नम्र व्यवहार रूपी ये दैवीय शक्तियां जिनके पास हैं, उन्हें सर्वत्र मानसिक सुख व शांति उपलब्ध होगी। सांसारिक कठिनाइयां उन्हें विचलित नहीं कर सकेंगी। हमारे जीवन में धन उतना ही आवश्यक है, जितने से शारीरिक, मानसिक और पारिवारिक उत्तरदायित्व सहूलियत से पूरे होते रहें। इससे अधिक धन उपार्जन और जोड़ने की तृष्णा सुखदायक नहीं, बल्कि अनेक कलह, क्लेश, पाप और तापों को देने वाली होती हैं। इसीलिए अनावश्यक धन संग्रह को पाप माना गया है। परिग्रह (अनावश्यक धन जोड़ने) को पांच प्रमुख पापों में से एक गिना गया है। जोड़ने योग्य, जमा करने योग्य, कभी न संतुष्ट होने योग्य संपत्ति तो सद्गुण रूपी दैवीय संपत्ति ही है। शिक्षा, शिल्प, संगीत, रसायन शास्त्र आदि विषयों से संबंधित योग्यताएं सोने भरी एक तिजोरी से अधिक मूल्यवान हैं। जिसने गुणों की उपेक्षा करके धन कमाने का ही कार्यक्रम बनाया हुआ है, वह आत्मिक दृष्टि से मूर्ख ठहराया जाएगा।

संपादकीय

पारदर्शिता के हक में सुप्रीम कोर्ट का फैसला

चुनावी बांड के रूप में अलग-अलग स्रोतों से धन लेने के मसले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागतयोग्य है और लोकतंत्र बचाने के लिहाज से इसे उम्मीद की एक किरण के तौर पर देखा जा सकता है। यों चंदा लेने के नाम पर चल रही इस व्यवस्था पर तमाम सवाल उठते रहे और इस पर रोक लगाने की मांग भी होती रही। साथ ही इसकी संवैधानिकता के संदर्भ में भी स्थिति स्पष्ट किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही थी। अब सर्वोच्च न्यायालय ने साफ तौर पर चुनावी बांड की व्यवस्था को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया है। अदालत ने यह व्यवस्था दी है कि चुनावी बांड को अज्ञात रखना सूचना के अधिकार और अनुच्छेद 19(1)(ए) का उल्लंघन है और इसके सहारे राजनीतिक पार्टियों को आर्थिक मदद से उसके बदले में कुछ और प्रबंध करने की व्यवस्था को बढ़ावा मिल सकता है। पांच न्यायाधीशों की पीठ में सर्वसम्मति से अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक चुनाव आयोग को जानकारी मुहैया कराएगा और आयोग इस जानकारी को इकतीस मार्च तक वेबसाइट पर प्रकाशित करेगा। दरअसल, एक विचित्र तर्क यह भी दिया जा रहा था कि चुनावी बांड की व्यवस्था के जरिए भ्रष्ट तरीके से जमा किए जाने वाले धन पर काबू पाया जा सकता है। जबकि इसमें जिस स्तर पर पारदर्शिता की अनदेखी की जाती रही, वह अपने आप में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का एक परोक्ष तरीका रहा है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान चलाने वाली ज्यादातर पार्टियों को भी इससे कोई गुरेज नहीं था कि चंदे के रूप में धन का गोपनीय तरीके से लेनदेन हो। गौरतलब है कि इस योजना के तहत आम लोगों को यह पता नहीं चल पाता था कि किसने कितने रुपए के बांड खरीदे और किस पार्टी को दिए। हालांकि संबंधित बैंक के पास इसका पूरा ब्योरा होता था कि कितने बांड किसने खरीदा और किस पार्टी को दान में दिया। ये सवाल भी उठे कि चुनावी बांड के जरिए चंदा देने वाले की पहचान चूंकि गुप्त रखी गई है, इसलिए इससे भ्रष्ट तौर-तरीकों से हासिल धन को बढ़ावा मिल सकता है। इसकी एक आलोचना यह भी थी कि यह योजना बड़े कारपोरेट घरानों को उनकी पहचान बताए बिना पैसे दान करने में मदद के लिए बनाई गई थी। विडंबना यह है कि भारतीय राजनीति में चुनावी पारदर्शिता की मांग तो अक्सर की जाती है, मगर इसके लिए जरूरी कारकों को सुनिश्चित करने को लेकर गंभीरता नहीं दिखती है। हैरानी की बात यह भी रही कि इस क्रम में सूचना के अधिकार कानून को भी दरकिनार कर दिया गया था। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से चुनावी बांड की व्यवस्था को सूचना के अधिकार कानून का भी उल्लंघन माना। इस बात की आशंका निराधार नहीं रही है कि बड़ी कारपोरेट कंपनियां किसी पार्टी को मदद के तौर पर धन देने के लिए किस तरह की अघोषित सुविधाओं की मांग कर सकती हैं और ऐसे में चुनावी बांड के जरिए धन मुहैया कराने का नियम किसके लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सामाजिक सोच

पिछले कुछ समय से बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति को लेकर लगातार चिंता जताई जा रही है। ऐसे भी मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें कम उम्र के बच्चे भी अपने सहपाठियों और यहां तक कि शिक्षकों पर जानलेवा हमला कर दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश के नोएडा में दो नाबालिग लड़कों ने जिस तरह एक स्कूल के अध्यापक को गोली मार दी, उससे यही पता चलता है कि समाज और व्यवस्था के स्तर पर एक गंभीर विकृति अपने पांव जमा रही है। खबरों के मुताबिक साकीपुर गांव में स्कूल से थोड़ी दूर पर हुई घटना में गनीमत बस यह रही किसी तरह शिक्षक की जान बच गई। वरना हमले की प्रकृति को देखते हुए कहा जा सकता है कि आरोपी छात्रों का मकसद शिक्षक की हत्या करना रहा होगा! सवाल है कि इतने उम्र में बच्चे किसी मामूली बात पर हत्या करने जैसे अपराध करने पर क्यों उतर जा रहे हैं! इस घटना को कुछ बिगड़े हुए नाबालिग बच्चों की करतूत मान कर गुजर जाने दिया जा सकता है, मगर नाबालिग और कम उम्र के बच्चों के भीतर आक्रामकता और हिंसा के सहारे अपनी मंशा पूरी करने की बढ़ती प्रवृत्ति न सिर्फ ऐसे बच्चों की जिंदगी बर्बाद कर रही है, बल्कि यह समाज और सरकार के लिए भी चिंतित होने का विषय है। अव्वल तो शिक्षक पर हमला करने वाले नाबालिग छात्रों के भीतर एक जघन्य स्तर के अपराध को अंजाम देने की बात क्यों आई! फिर इतनी कम उम्र के बच्चों के पास बंदूक जैसा जानलेवा हथियार कहां से आया? जाहिर है, हमलावर बच्चे ऐसे लोगों के दायरे या संपर्क में अपना वक्त गुजार रहे होंगे, जिनके लिए अपराध एक सामान्य बात है। ऐसे बच्चों के अभिभावकों और उन्हें जानने वाले आस-पड़ोस के लोगों के लिए बच्चों की रोजमर्रा की संगति और गतिविधियां अनदेखी करने लायक क्यों होनी चाहिए? इसके अलावा, कानून-व्यवस्था का आलम ऐसा क्यों है कि किसी पर जानलेवा हमला करने वाले लोगों या बच्चों के भीतर पुलिस की कार्रवाई का खौफ काम नहीं करता? अगर समाज के ढांचे में पलती विकृतियों और बच्चों के भीतर बढ़ती आपराधिक हिंसक प्रवृत्ति को लेकर सरकार और आम लोग गंभीर नहीं हुए तो इस तरह के बच्चों की जिंदगी की दिशा सबके लिए जटिल हालात पैदा कर दे सकती है।

पारम्परिक खेलो के साथ सात दिवसीय विशिष्ट कैंप का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर कॉलेज की ठरर इकाई द्वारा सात दिवसीय विशिष्ट कैंप का आयोजन किया गया ' कैंप के अंतिम दिन पारम्परिक खेलो का आयोजन किया गया जिसमे कब्बडी, रस्साकसी और खोखो जैसे खेलो में कॉलेज के छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया । कॉलेज प्राचार्य डॉ आशीष गुप्ता ने छात्रो को ठरर की छात्र जीवन में महत्ता के बारे में बताते हुए सामाजिक सेवाओं में हमेशा भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सात दिवसीय कैंप का उद्घाटन श्री ,एस पी भटनागर, क्षेत्रीय निर्देशक ठरर, राजस्थान ने किया । ठरर प्रोग्राम ऑफिसर डॉ जितेंद्र सिंह बीदावत ने बताया की छात्रों के सर्वांगीण विकास के उदेश्य से सात दिवसीय कैंप में मेडिकल कैंप, योगा शिविर, ड्रग्स जागरूकता शिविर, सड़क सुरक्षा शिविर और ट्रेक्किंग जैसी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया ।

गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी का निवाई से सोहेला के लिए विहार

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई ।सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में शुक्रवार को आचार्य श्री विमल सागर महाराज की शिष्या गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी संध सहित निवाई से सोहेला पहुंचे जहां बाबूलाल पप्पूलाल जैन महावीर छाबड़ा विमल जौंला राजेश सोहेला पवन जैन सोनू जैन हितेश छाबड़ा विमल सोगानी नवरत्न जैन शकुंतला छाबड़ा नरेश हथौना सहित अनेक गणमान्य लोगों ने आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी संध का पाद प्रक्षालन एवं आरती उतारकर अगुवानी की। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी निवाई से विहार कर बरुणी पहुंचे जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया वहां से विहार कर गांव सोहेला एन एच हाईवे पहुंचे। जौंला ने बताया कि आर्यिका माताजी सोहेला टोंक से विहार कर अतिशय क्षेत्र निमोला सांखना आंवा देवली जहाजपुर होते हुए अणिन्दा पार्श्वनाथ पहुंचेंगे जहां माताजी अतिशयकारी भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन कर पुण्यार्जन करेंगी। आर्यिका माताजी वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री विमल सागर महाराज एवं आचार्य श्री भरत सागर महाराज की शिष्या है। संध में 3 आर्यिका दीक्षित है। शुक्रवार को माताजी की आहार चर्या सोहेला में साआनन्द सम्पन्न हुई।

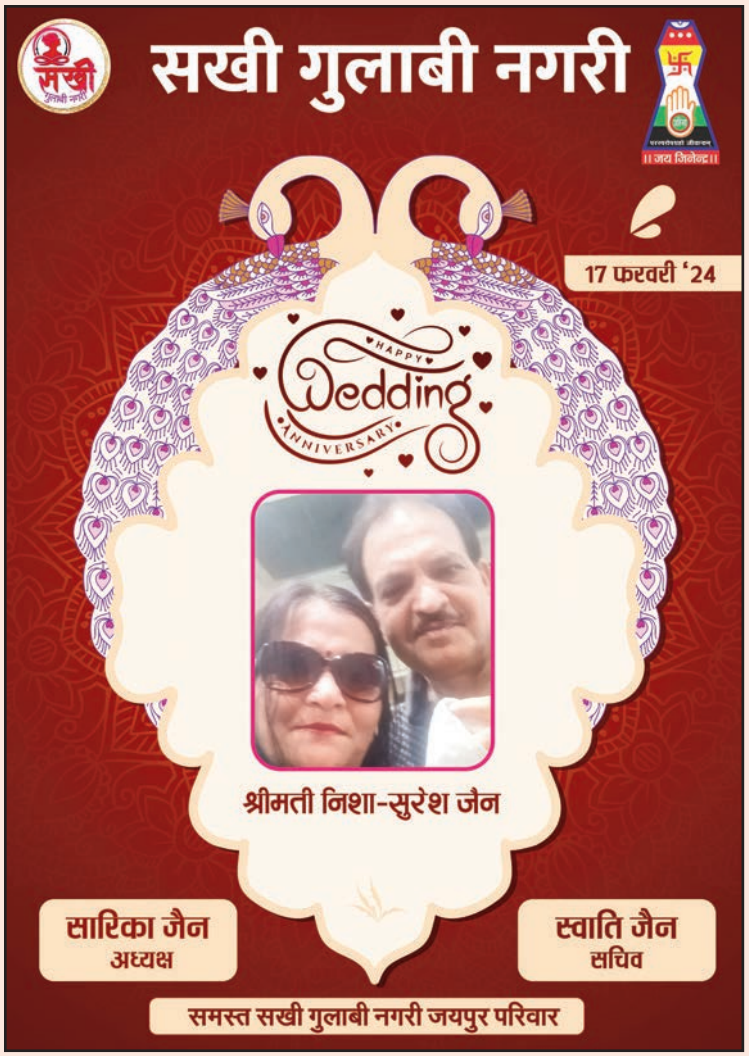

आर्यिका भरतेश्वर मति ससंघ का मंगल विहार

पुरानी टोंक में शनिवार को होगा मंगल प्रवेश

टोंक. शाबाश इंडिया। आचार्य विमल सागर जी महाराज की शिष्या गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति ससंघ का मंगल विहार जयपुर से आनंदा पारसनाथ के लिए चल रहा है। शुक्रवार प्रातः सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आर्यिका संघ का विहार बरौनी से हुआ। समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि प्रातः बरौनी से विहार कर आर्यिका संघ की आहार चर्या सोहेला में संपन्न हुई। जहां पर दोपहर में श्री दिगंबर जैन

खंडेलवाल सरावगी समाज टोंक के अध्यक्ष रमेश छाबड़ा, प्रवक्ता राजेश अरिहंत,संयोजक अशोक छाबड़ा, निर्मल सोनी अध्यापक, गुड्डू कासलीवाल, पारस डोसी, प्यारे लाल आदि ने आर्यिका संघ को श्रीफल भेंट कर पुरानी टोंक आगमन के लिए निवेदन किया । तत्पश्चात आर्यिका संघ का सोहेला से विहार हुआ रात्रि विश्राम इंडस्ट्रीज एरिया स्थित फैक्ट्री पर हुआ। मुनि सेवा संघ के अध्यक्ष अशोक छाबड़ा ने बताया कि शनिवार को आर्यिका संघ का विहार इंडस्ट्रीज एरिया से छावनी,बमोर गेट होते हुए पुरानी टोंक में बैंड बाजो के साथ मंगल प्रवेश होगा जहां पर आर्यिका संघ पांचो मंदिर के दर्शन करेंगे तत्पश्चात संत भवन माणक चौक में आर्यिका भरतेश्वर मति के मंगल प्रवचन होंगे तत्पश्चात पुरानी टोंक में ही आर्यिका संघ की आहारचार्य संपन्न होगी ।

भारतीय संस्कृति में जिनाक्षत की प्राचीनता

डॉ सतेन्द्रकुमार जैन, जयपुर

भारतीय परंपरा में आराध्य की पूजन करना प्रत्येक भक्त के लिए सौभाग्य एवं पुण्यवर्धन का साधन कहा है ।निराकार ब्रह्म तथा साकार ब्रह्म दोनों की पूजन भक्ति के साथ भावपूर्वक की जाती है ।श्रमण परंपरा एवं वैदिक परंपरा में अक्षत, पुष्प, जल, नैवेद्यादि द्रव्यों से भगवान की पूजन की जाती है। वैदिक परंपरा में आराध्य को चढ़ाया हुआ द्रव्य प्रसाद के रूप में पूजक ग्रहण करता है तथा श्रमण जैन परंपरा में आराध्य को चढ़ाया हुआ द्रव्य पूजक के लिए निर्माल्य है तथा जो द्रव्य चढ़ाया नहीं गया, शेष बच गया है, वह भी पूज्य है वह शेषाक्षत या जिननाक्षत है। जैन पूजन पद्धति में पूजन के पश्चात जो अक्षत (सबूत चावल) शेष बच जाते हैं, उन्हें शेषाक्षत या जिनाक्षत कहा जाता है। जैन पद्धति में पूजन तीन संध्याओं में की जाती है, सुबह सूर्योदय की 48 मिनट बाद से प्रातः कालीन पूजन मध्य दिवस की संध्या पूजन तथा सूर्यास्त से 48 मिनट पूर्व सायंकालीन पूजन। प्रातः कालीन पूजन अष्टद्रव्य से की जाती है। मध्य दिवस की संध्या पूजन फल से की जाती है तथा सायंकालीन पूजन दीपक से की जाती है। इन तीनों पूजन में अंत में आशिका लेने का विधान है। यह आशिका विसर्जन के पश्चात ली जाती है। प्रातः कालीन पूजन में विसर्जन के बाद शेषाक्षत को मस्तक पर आशीष लेने का विधान प्राचीन काल से प्रचलित है। आज भी पूजन के पश्चात कुछ अक्षत आराध्य के विसर्जन के रूप में ठोने में चढ़ाते हैं तथा हथेली में बच्चे अक्षत को आशिका के रूप में शिरोधारण करते हैं। यह प्राचीन परंपरा है, यह शेषाक्षत अथवा जिनाक्षत पूज्य होते हैं, उन्हें सम्मान के साथ ग्रहण किया जाता है। अपभ्रंश के कहकोसु की 19वीं संधि में रोहिणी चरित्र के अंतर्गत शेषाक्षत ग्रहण का प्रसंग इस परंपरा को 11वीं शताब्दी से पूर्व से प्रचलित होने का संकेत करती है। राजकुमारी रोहिणी कार्तिक माह के नंदीश्वर पर्व के अवसर में उपवास करती है । उपवास के दिन जिनेंद्र देव की गंध, अक्षत पुष्प एवं दीपक से पूजन करके राज्यसभा में पिता के समक्ष क्लेश को नाश करने वाले शेषाक्षत अथवा जिनाक्षत लेकर जाती है तथा पिता को शेषाक्षत अर्पित करती है। पिता ने मंत्रियों सहित सर्वप्रथम आसान से उठकर उन शेषाक्षतों को हाथ जोड़कर मस्तक पर आशीष लिया । इस प्रसंग से यह स्पष्ट है की पूजन में उपयोग की जाने वाली सामग्री शुभ है। पूजन में चढ़ाई गई सामग्री निर्माल्य है तथा जो सामग्री नहीं चढ़ाई गई और शेष बची है वह भी कष्ट को हरने वाली तथा आशीष लेने योग्य है ।इस प्रकार पूजन करने वाले पूजनार्थी भी क्लेश को हरने वाले शेषाक्षतों को अपने घरों में छिड़काव करें तथा अपने परिजनों को शेषाक्षत अर्पण कर पूजन की आशिका दें, जो कष्ट को हरने का साधन हो सकता है।

प्राकृत अध्ययन शोध केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय
जयपुर परिसर, जयपुर राजस्थान

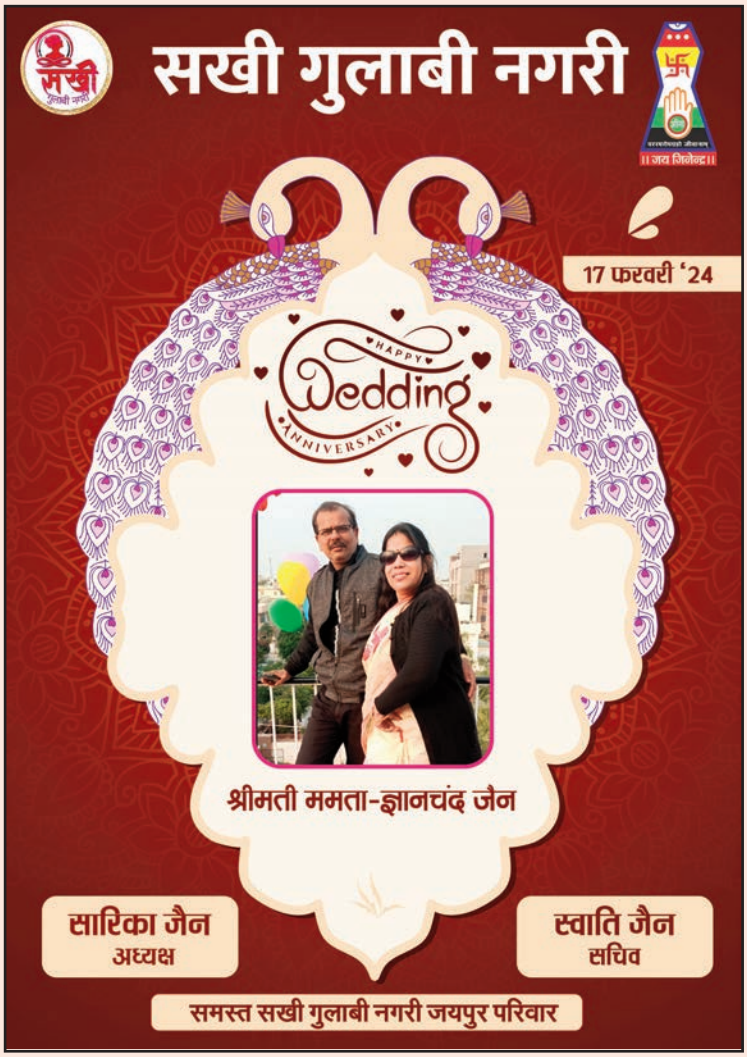

आर के पुरम त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर में दिनांक 18 फरवरी 2024 को होगा तीन जैन मुनियों का होगा मंगल भव्य प्रवेश

कोटा. शाबाश इंडिया। परम पूज्य जंगल वाले बाबा मुनि श्री चिन्मय सागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से निर्मित आर के पुरम स्थित 1008 श्रीमुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर मे अध्यात्मयोगी आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर की यतिराज के प्रज्ञावंत शिष्य श्रुतसंवेगी श्रमणरत्न श्री 108 आदित्यसागर जी,श्रुतप्रिय श्रमणरत्न श्री 108 अप्रमितसागर जी एवं सहजानंदी श्रमणरत्न श्री 108 सहजसागर जी मुनिराज का मंगल प्रवेश दिनांक 18 फरवरी 2024 को हर्षोल्लास के वातावरण में होगा।

अध्यक्ष अंकित जैन महामंत्री अनुज जैन कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद जैन खजुरी ने बताया कि मुनि श्री ससंघ का दिनांक 15 फरवरी 2024 गुरूवार से मंगल विहार कोटा नगर की तरफ चल रहा है दिनांक 16 को आहार चर्या शिव ज्योति स्कूल रटकाकरा में हुई। दोपहर 2 बजे रानपुर जैन मंदिर के लिए विहार हुआ। राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी एवम मंदिर समिति के प्रचार प्रसार मंत्री पारस जैन पार्श्वमणि एवम अंशुल जैन ने बताया कि दिनांक 16 फरवरी 2024 की शाम को रानपुर स्थित जैन मंदिर में मंगल प्रवास रहेगा दिनांक 17 फरवरी को सुबह की मंगल प्रवचन आहार चर्या भी होगी ।दोपहर यहां से आरोग्य नगर स्थित जैन जनउपयोगी भवन पहुंचेगै। दिनांक 18 फरवरी 2024 को आर के पुरम त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा।

25 फरवरी की मनाया जायेगा गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी का 30 वां दीक्षा दिवस महोत्सव

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी (राज.) में विराजित गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के 30 वें दीक्षा दिवस सन्दर्भ में बैठक गुरुवार दिनांक 15 फरवरी को सम्पन्न हुई ।जिसमें दीक्षा महोत्सव को लेकर विशेष बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस आयोजन में ट्रस्ट एवं समिति के सारे पदाधिकारी मौजूद थे जिनमें मुख्य पं. विमल बनेठा, नरेश बनेठा, महावीर पराणा, जितेन्द्र मारोठ वाले, प्रकाश छाबड़ा , शांतिलाल मालवीय नगर, सुनील भाणजा, योगेंद्र झिलाय, विमल जौला, ताराचंद रामनगर वाले, विनय नला वाले, महावीर छाबड़ा आदि शामिल थे। पूज्य माताजी ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को उपदेशित करते हुए कहा कि - विवेक के अभाव में सही दिशा का चयन नहीं हो सकता। मनुष्य विवेक द्वारा ही भावनाओं के प्रवाह और अति श्रद्धा या अंध श्रद्धा से बच सकता है। विश्वास का प्रयोग अपने से कहां तक और कितना किया जाता है, इसका निश्चय विवेक बुद्धि ही कराती है। विवेक जागरूकता की कुंजी है। विवेकशीलता को ही सत्य की प्राप्ति का साधन कहा जा सकता है।

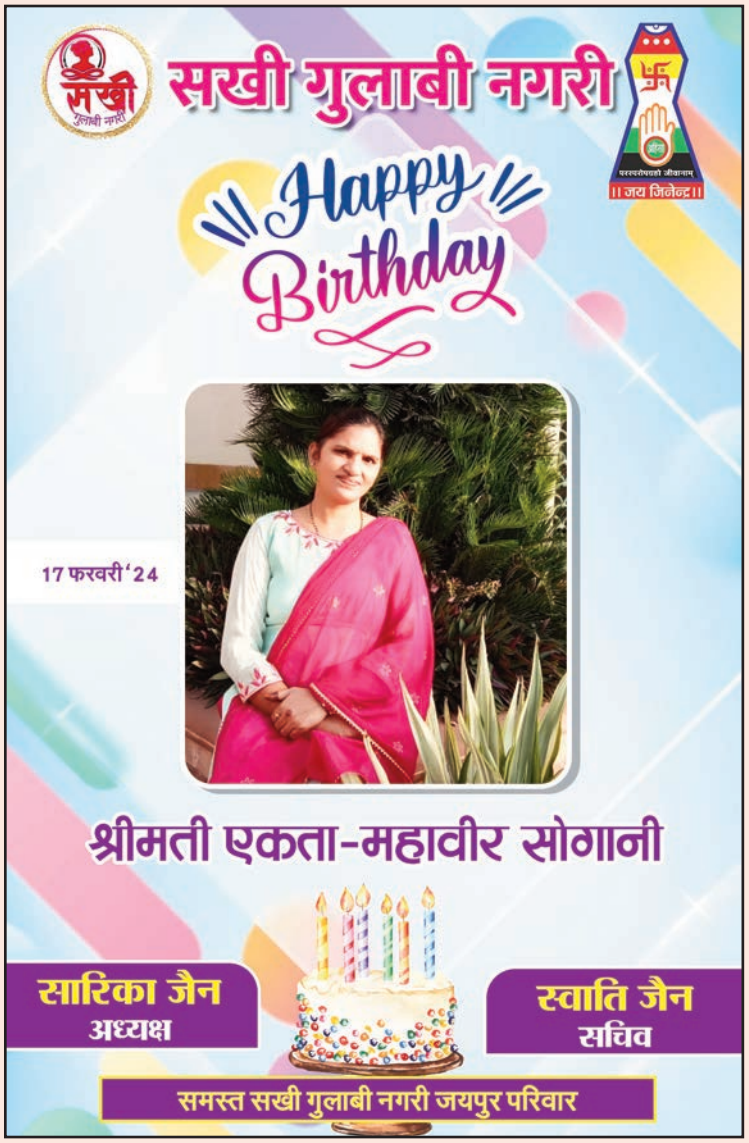

वात, पित्त, कफ को एक समान रखने के एवं ठीक करने के परम्परागत, सरल, प्राकृतिक एवं घरेलू उपाय है..... इनसे आप लाभ ले सकते हैं....

जीवन में वात पित्त और कफ के बिगड़ने पर ही रोग आते है... यदि कोई खानपान में थोड़ा सा बदलाव करे तो जीवनपर्यंत निरोगी रह सकता है...

वात

तेल शुद्ध खाये, सबसे अच्छा सरसों है.....
गाय का शुद्ध दूध पियें.....
संतरा, मौसमी, गन्ने का जूस, टमाटर, अंगूर आदि खाये.....
पालक और टमाटर का सूप घर पर बनाकर खाएं.....

पित्त.....

देशी गाय का शुद्ध घी खायें.....
छाछ का सेवन करे....
दोपहर को भोजन में अजवाइन का सेवन करें....
अजवाइन नही डालते हो तो भोजन के बाद एक चुटकी अजवाइन काले नमक के साथ खाएं.....
काले जीरे का प्रयोग करे.....
हींग का प्रयोग करे.....
धनिया का प्रयोग करें, हरा हो या सूखा।

कफ...

रोजाना थोड़ा सा गुड़ जरूर खायें..... शहद खायें...
सोंठ खायें....
सौंफ खायें...
पान का पत्ता काली मिर्च के साथ खायें....
आवंला इन तीनो दोषों को अकेला ही ठीक रखता है।*
तो अपने खानपान से आप काफी रोगों से खुद को बचा सकते हैं....

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

Junk food बिल्कुल avoid करना चाहिए....
Preservative Food बहुत ही हानिकारक है पूरी तरह avoid करें.....
स्वस्थ रहने के लिए देसी घरेलू भोजन ही अपनाएँ.....
नोट- इन सब का सेवन करने से जरूरी नहीं कि ये सारी समस्याएं जड़ से खत्म हो जाएंगी। ये सारी घर की नानी-दादी की घरेलू नुस्खे है। अपने विवेक का इस्तेमाल करके ही इसका प्रयोग करे।

निर्मल जैन सोगानी ने प्रभारी अरुण सिंह से भेंट की

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति के राजस्थान अंचल अध्यक्ष निर्मल जैन सोगानी ने 16फरवरी 2024 को भाजपा राष्ट्रीय महासचिव एवम् राजस्थान के प्रभारी अरुण सिंह से भेंट कर बसंत पंचमी की शुभकामना दी।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से

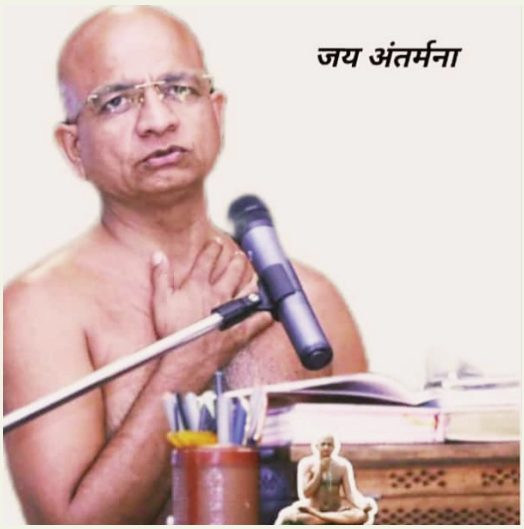

मनुष्य की चाल दो बार बदलती है...
- एक -धन बढ़ता है तो अकड़ आती है, और
- दो -धर्म बढ़ता है तो विनम्रता आती है।

हे परमात्मा ! ज़िन्दगी--भले ही तू छोटी देना, मगर ऐसी ज़िन्दगी देना कि सदियों तक लोगों के दिलों में जिन्दा रहूँ और हमेशा सत्कर्म सेवा से जुड़ा रहूँ। अब समय कम और कार्य ज्यादा है जीवन में। समय -- समय है, वह किसी के बाप का नौकर नहीं है, समय खुद अपना मालिक है। समय किसी का इन्तजार नहीं करता, ना किसी से इकरार करता है। समय कभी पीछे मुड़कर भी नहीं देखता। अभी दो बजे थे, अब तीन बज गये। मौत भी एक घंटे आगे सरक गई। कल शनिवार था, आज रविवार है। ज़िन्दगी का एक दिन हमारे हाथ से चला गया, फिर भी हम टाइम पास करने में लगे हैं। मित्रो ! हम टाइम पास नहीं कर रहे हैं, बल्कि टाइम --- हमें पास कर रहा है... !

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

यज्ञ के माध्यम से विश्व शांति की कामना, रासलीला में कृष्ण जन्म प्रसंग पर छाया भक्ति का रंग

हनुमान टेकरी स्थित काठियाबाबा आश्रम पर श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ जारी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा ।विश्व शांति, आरोग्यमय जीवन की कामना के साथ माघ मास में भीलवाड़ा शहर में छोटी हरणी हनुमान टेकरी स्थित काठिया बाबा आश्रम में आयोजित 11 कुण्डीय श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ में तीसरे दिन शुक्रवार को यज्ञवेदी में आहुतियों का दौर जारी रहा। महायज्ञ में शामिल होने के लिए भीलवाड़ा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से भक्तगण आश्रम परिसर में पहुंचे थे। महायज्ञ के साथ श्री राधा रासेश्वरी रासलीला मण्डल श्रीवृन्दावनधाम मथुरा द्वारा भक्तिपूर्ण रासलीला की प्रस्तुति का दौर भी जारी रहा। रासलीला के तहत दूसरे दिन गुरूवार रात महन्त बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में वृन्दावन से आए कलाकारों की भक्तिमय भावपूर्ण प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन जीत लिया। मण्डल के दामोदरदास काठियाबाबा के निर्देशन में भगवान कृष्ण के जन्म प्रसंग से जुड़ी विभिन्न लीलाओं की प्रस्तुति दी गई। मण्डल के राजू स्वामी ने बताया कि इसके तहत कंस द्वारा अपनी बहन देवकी के गर्भ से उसके काल की उत्पति होने की आकाशवाणी के बाद बहन देवकी व बहनोई वासुदेव

को कारागृह में डाल देने ओर कारागृह में ही भगवान कृष्ण का जन्म होने ओर वासुदेव द्वारा टोकरी में रख उन्हें उफनती युमना को पार कर गोकुल पहुंचाने के प्रसंग से जुड़ी लीला की प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुति देने वाले दल में 19 कलाकार शामिल है। इस दौरान देवकी जैसे महिला पात्रों के रूप में भी पुरूष कलाकार ने ही प्रस्तुति दी। सात दिवसीय महायज्ञ आयोजन के तीसरे दिन सुबह 8 बजे महन्त बनवारीशरण काठियाबाबा के सान्निध्य में यज्ञ मण्डप में यज्ञाचार्य आचार्य श्री मुकेश अवस्थी महाराज श्रीधाम वृन्दावन के निर्देशन में यज्ञ अनुष्ठान सम्पन्न हुए। यज्ञाचार्य अवस्थी ने बताया कि प्रातःकालीन सत्र में यज्ञकर्ता यजमानों को पंचगव्य,प्राशन कराके यज्ञमण्डप में प्रवेश दिलाया गया। सर्वप्रथम आसन पर बिठाकर पवित्रीकरण के पश्चात स्वस्ति वाचन ओर प्रधान संकल्प कराया गया। इसके बाद में यज्ञ की निर्विध्नता के लिए श्री महागणपति भगवान की पूजन विधि को सम्पन्न किया गया। तदन्तर मण्डप वास्तु का पूजन कराके मण्डप में विराजमान आहवान्ति सभी देवी-देवताओं का विधिपूर्वक पूजन करके गौमाता का पूजन किया गया।इसके बाद हवन ओर आरती प्रसाद वितरण के साथ यज्ञ का विश्राम हुआ। तीसरे दिन यज्ञ के मुख्य जजमान शांतिलाल चांवला थे। मुख्य अतिथि डॉ. उमाशंकर पारीक थे। यज्ञ में आहुति देने वाले यजमानों में गजानंद बजाज, संजय पाराशर, गोपाल जाट, समुद्रसिंह, रतनसिंह चारण, योगेन्द्रकुमार सक्सेना,राजकुमार सोनी, सुरेन्द्रसिंह, भंवर प्रजापत, श्याम जोशी, राकेशकुमार व्यास, पूनम चारण, कुमुद सक्सेना आदि शामिल थे। आयोजन के तहत यज्ञ प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 12.30 बजे तक होगा। महायज्ञ की पूणार्हुति एवं महाआरती 20 फरवरी को होगी।

खिताब बरकरार रखने के लिए परिस्थितियों के अनुरूप ढलना अहम होगा : हरमनप्रीत कौर

मुंबई. शाबाश इंडिया। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर को लगता है कि आगामी महिलाओं की प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में खिताब बरकरार रखने के लिए विभिन्न परिस्थितियों के अनुरूप ढलना अहम होगा। डब्ल्यूपीएल 23 फरवरी से 17 मार्च तक बेंगलुरु और नयी दिल्ली में खेला जायेगा। पिछले साल शुरूआती चरण मुंबई में खेला गया था और मेजबानों ने चिर परिचित परिस्थितियों और दर्शकों के समर्थन से हरमनप्रीत की अगुआई में खिताब जीता था। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में दूसरे सीजन का पहला गेम (23 फरवरी) शुरू होने में ठीक एक हफ्ते का समय बचा है। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को मुंबई में प्री-सीजन प्रेस कॉन्फ्रेंस में यही बात दोहराई। हरमनप्रीत ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''बेंगलुरु में परिस्थितियां मुंबई से अलग होंगी। मुझे दिल्ली में खेलने का ज्यादा अनुभव नहीं है इसलिये मुझे नहीं पता कि दिल्ली में कैसा विकेट होगा।'' उन्होंने कहा, अगर हम इन चीजों से जल्दी सांमजस्य बिठा लेते हैं तो इससे पता चलेगा कि बतौर टीम हम कितने अच्छे हैं। हमें इन चीजों पर ध्यान रखना होगा और इसके अनुसार ही अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। कप्तान ने कहा कि हालांकि मुंबई इंडियंस की टीम मजबूत है लेकिन प्रत्येक मैच में अंतिम एकादश पर फैसला परिस्थितियों के हिसाब से ही लिया जायेगा। उन्होंने कहा, किसी भी टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा अच्छे खिलाड़ी होना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे आप सर्वश्रेष्ठ एकादश चुन सकते हो। खिलाड़ियों के बीच इन स्थानों को लेकर भी प्रतिस्पर्धा होगी।

वार्षिक उत्सव के अवसर पर महावीर मय हुआ मानसरोवर

जयपुर. शाबाश इंडिया

16 फरवरी 2024श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में वार्षिक उत्सव के अवसर पर मूलनायक भगवान महावीर एवं मानस्तंभ पर विराजमान सभी प्रतिमाओं के अभिषेक एवं शांति धारा करने का सौभाग्य संतोष अलका कासलीवाल, अक्षय आशा गोधा, विनोद सुमन जैन टोड़ा वाले, मुकेश रजत सत्यम कासलीवाल, संतोष मंजू कासलीवाल, भंवरी देवी निर्मल काला, विनेश आरव सोगानी, सुरेश चंद जैन बांदीकुई, तेज लुहाड़िया, प्रदीप हिमानी जैन, अजीत जैन बी ओ बी को सौभाग्य प्राप्त हुआ । संगठन मंत्री विनेश सोगानी ने बताया कि अभिषेक एवं शांति धारा के पश्चात भगवान महावीर मंडल विधान का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। आयोजन के सोधर्म इंद्र पूरणमल ललिता देवी अनोपडा को बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समाज समिति के मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि जयपुर के सुप्रसिद्ध पंडित प्रदुमन जी शास्त्री के संचालन में विधान का आयोजन किया गया। विधान में 108 जोड़ों ने पूणार्हुति दी। इस अवसर पर राजेंद्र सोनी ,कैलाश सेठी, विनेश सोगानी, मुकेश कासलीवाल, वीरेश जैन टीटी, अनिल दीवान, अजीत जैन बॉब, सुरेश जैन बांदीकुई, पदमचंद जैन भरतपुर ,कमल गोदीका ,सतीश कांसलीवाल, निर्मल शाह, अनिल जैन सोड़ा वाले, हेमेंद्र सेठी, चंद्रकांता छाबड़ा, शशि सेन जैन, मिथिलेश गोधा, सुशीला टोंग्या, हिमानी जैन ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की।

रिपोर्ट : विनेश सोगानी

रोहित व कीर्ति बड़जात्या

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छु: (चंचल देवी)(नवीन विनीता) (कमल मधु) (राकेश सरोज)(मनीष नीरज)(नवीन मीनाक्षी)(राहुल मोनिका) वैभव, अर्चित ,विविधा, कीर्तिका नेहल, आदित्य, हार्दिक, गहना, इशिता, दविश, मानवी, अनिका ,दक्ष ,दीक्षा ,एवं समस्त बडजात्या परिवार नसीराबाद (जतन जी पंसारी)(जैन टिफिन सेंन्टर) (राहुल जैन 9413135797)

(ब्यूरो चीफ अहिंसा क्रांति समाचार पत्र रोहित जैन अनोखी पत्रिका, शाबाश इंडिया, (8575455555)

मंगल विहार कॉलोनी जैन मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 20 से

पोस्टर का विमोचन किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। गोपालपुरा बाईपास स्थित मंगल विहार कॉलोनी के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव आगामी 20 से 25 फरवरी तक परम पूज्य 108 सर्वांगभूषण श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित होगा। इस आयोजन के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को आचार्यश्री के सानिध्य में किया गया। इस मौके पर मंगल विहार प्रबंध कार्यकारिणी समिति की अध्यक्ष प्रमिला जैन, समिति सचिव अमित गोधा,आदर्श अंतरंग क्रिया पंचकल्याणक महोत्सव समिति अध्यक्ष अश्विनी जैन, सचिव- मनोज कुमार जैन(पदम फैशन), प्रचार संयोजक रितेश जैन एवं अनिल जैन सहित समाज के अन्य गणमान्य महानुभाव उपस्थित रहे। पंचकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष एवं सचिव ने बताया कि इस महोत्सव के दौरान घटयात्रा,अभिषेक, पूजा, ध्वजारोहण,पांडुकशिला पर श्रीजीं का जन्माभिषेक, सौधर्म इन्द्र का दरबार सहित अनेक धार्मिक क्रियाएं सम्पन्न होंगी साथ ही साथ महोत्सव को सफल बनाने के लिए कई समितियों का गठन भी किया गया है।